



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रसारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ७८] नई दिल्ली, वृहस्यतिवार, मार्च ५, १९७०/काल्पुन १४, १८९१

No. ७८] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 5, 1970/ KALPUNA 14. 1891

इस भाग में भिन्न पट्ट संलग्न वी जासी है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## MINISTRY OF LAW

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th March 1970

**S.O. 934.**—In pursuance of section 12 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the President is pleased to call upon the elected members of the Legislative Assemblies of the States, specified in column 1 of the table below, to elect, in accordance with the provisions of the said Act and the rules and orders made thereunder, the number of members specified against those State in column 2 of the said table for filling the seats of members of the Council of States retiring on the 2nd April, 1970, on the expiration of their term of office :—

## TABLE

Name of State	Number of members to be elected
1	2

1. Kerala	3
2. Maharashtra	6
3. Punjab	3

[No. F. 13 (1) /70-Leg. II]  
N. D. P. NAMBOODIRIPAD, Jt. Secy.

विधि मंत्रालय

(विधायी विभाग)

श्रद्धिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च 1970

**फा० फा० 934.**—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 12 के अनुसरण में राष्ट्रपति, भीचे दी गई सारणी के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट राज्यों की विधान सभाओं के सदस्यों से अपेक्षा करते हैं कि वे राज्य सभा के उन सदस्यों के स्थानों को भरने के लिये जो अपनी प्रव-विधि के अवसान पर 2 अप्रैल, 1970 को निवास हो रहे हैं, उक्त अधिनियम के और तद्वीत बनाए गए नियमों और किये गये आदेशों के उपबंधों के अनुसार, उक्त सारणी के स्तंभ 2 में उन राज्यों के सामने विनिर्दिष्ट संख्या में सदस्यों का निर्वाचन करें :—

सारणी

राज्य का नाम

निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या

1

2

1. केरल

3

2. महाराष्ट्र

6

3. पंजाब

3

[स० फा० 13 (1)/70-वि०-II]

एन० ई० पी० नाम्बृदिरीपाद, संयुक्त सचिव।